



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

[प्राधिकार से प्रकाशित]

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 370] नई दिल्ली, मंगलवार, तितस्वर 16, 1975/भाद्र 25, 1897

No. 370] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 16, 1975/BHADRA 25, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलिपि संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Irrigation)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 16th September, 1975

S.O. 518(E).—Whereas a vacancy has occurred in the Krishna Water Disputes Tribunal, constituted by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Irrigation and Power S.O. No. 1419, dated the 10th April, 1969, consequent on the demise of Shri Justice Shamsher Bahadur;

And whereas the Chief Justice of India has nominated Shri Justice Dibyendu Mohan Sen of the Gauhati High Court to fill the said vacancy under section 5A of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4, read with section 5A of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification, namely:—

In the said notification under the heading 'Members', for item (ii), the following item shall be substituted, namely:—

"(ii) Shri Justice Dibyendu Mohan Sen, Judge of the Gauhati High Court."

[No. 2(22)/75-WD]

(2077)

हिंदी और तिब्बती मत्ता, लग्न

(तिब्बती विभाग)

श्रधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1975

का० आ० 518(भ) भारत सरकार के भूतपूर्व सिचाई और विद्युत मन्त्रालय की श्रधिसूचना का० आ० सं० 1419, तारीख 10 अप्रैल, 1969 द्वारा गठित क्षेत्र जल विवाद श्रधिकरण में न्यायमूर्ति श्री शमशेर बहादुर की मत्यु के परिणामस्वरूप एक रिक्ति हो गई है;

और भारत के मुख्य न्यायमूर्ति ने अन्तर्राजिक जल विवाद श्रधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 5क के अधीन उक्त रिक्ति को भरने के लिए गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री दिव्येन्दु मोहन सेन को नाम निर्देशित किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 5क के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त श्रधिसूचना में, 'सदस्य' शीर्षक के प्रत्यर्गत, मंद (2) के स्थान पर निम्नलिखित मंद रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(2) न्यायमूर्ति श्री दिव्येन्दु मोहन सेन, न्यायाधीश, गौहाटी उच्च न्यायालय।"

[सं० 2(22)/75-डब्ल्यू० डी०]

S.O. 519(E).—Whereas a vacancy has occurred in the Godavari Water Disputes Tribunal, constituted by the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Irrigation and Power S.O. 1421, dated the 10th April, 1969, consequent on the demise of Shri Justice Shamsher Bahadur;

And whereas the Chief Justice of India has nominated Shri Justice Dibyendu Mohan Sen of the Gauhati High Court to fill the said vacancy under section 5A of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 4, read with section 5A of the said act, the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification namely:—

In the said notification, under the heading "Members" for item (ii), the following item shall be substituted, namely:—

"(ii) Shri Justice Dibyendu Mohan Sen, Judge of the Gauhati High Court."

By order and in the name of the President of India.

[No. 2(22)/75-WD]

S. N. GUPTA, Jt. Secy.

का० आ० 519(भ).—भारत सरकार के भूतपूर्व सिचाई और विद्युत मन्त्रालय की श्रधिसूचना सं० का० आ० 1421, तारीख 10 अप्रैल, 1969 द्वारा गठित गोहावरी जल विवाद श्रधिकरण में न्यायमूर्ति श्री शमशेर बहादुर की मत्यु के परिणामस्वरूप एक रिक्ति हो गई है;

और भारत के मुख्य न्यायमूर्ति ने अन्तर्राजिक जल विवाद श्रधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 5क के अधीन उक्त रिक्ति को भरने के लिए गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री दिव्येन्दु मोहन सेन को नाम निर्देशित किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 5के साथ पठित धारा 4द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिसूचना ने निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, 'सदस्य' शब्दके के अन्तर्गत, मद (2) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(ii) न्यायमूर्ति श्री विष्णुमोहन सेन, न्यायाधीश, गौहाटी उच्च न्यायालय।"

राष्ट्रपति के ग्रादेश से और उनके नाम में।

[सं० 2(22)/75-डब्ल्यू० डी०]

सत्येन्द्र नाथ गुप्ता, संयुक्त सचिव।

